आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 25 लखनऊ, बुद्धवार 07 अक्तूबर से 13 अक्तूबर, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

बिजली कर्मियों के कार्यबहिष्कार के बाद सरकार पीछे हटी

निजीकरण का फैसला तीन महीने के लिए टला

लखनऊ। बिजली कर्मियों के दो दिनों के कार्यबहिष्कार के बाद सरकार को पीछे हटना पड़ा। सरकर ने फिलहाल तीन महीने के लिए निजी हाथ में सौंपने का फैसला टाल दिया है। निजीकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार और बिजली विभाग के अधिकारियों के बीच बैठक में बिजली व्यवस्था के निजीकरण को १५ जनवरी तक टाला गया। इस फैसले के बाद बिजलीकर्मियों की अनिश्चिकालीन हड़ताल को कर्मचारी संगठनों ने वापस ले लिया है। इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ से मंत्रियों के साथ आला अधिकारियों को लेकर हाइलेवल बैठक भी की थी। फैसला वापस लेने के दौरान सरकार की ओर से वितरण क्षेत्र को भ्रष्टाचार से मुक्त करने, बिलिंग व कलेक्शन एफिशिएंसी लक्ष्य प्राप्त करने, उपभोक्ताओं को संतुष्ट करने के साथ ही उपकेंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने में संघर्ष समिति सहयोग करेगी। इस दौरान यह भी प्रस्ताव दिया गया कि समिति द्वारा १५ जनवरी तक सुधार के लिए किए गए कार्यो की समीक्षा की जाएगी। साथ ही कई और प्रस्तावों पर मुध्हर लगाई गई। वहीं फैसला टलने के बाद बिजली नेताओं ने जीत का जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि हमने संघर्ष किया

और हमारी जीत हुई। मंगलवार की सुबह बैठक पूर्व शक्ति भवन के साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में एक बार फिर से कार्यबहिष्कार के साथ प्रदर्शन शुरू कर दिया गया था। वहीं सरकार ने दूसरी ओर कहा कि बिजली कर्मचारियों की हड़ताल का फैसला ठीक नहीं है। बिजली सेवा बाधित करना गैर कानूनी है। यह स्वीकार्य नहीं है। सरकार ने बिजली विभाग के कर्मचारियों से अपील की है कि प्रदेशहित में कार्य बहिष्कार ना करें। गैर कानूनी हड़ताल ना करें। इसके साथ ही साथ जनता से भी धैर्य बनाए रखे। हम समाधान निकालने के प्रयास में हैं। बहादुर साथियों! विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति और उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट सब कमेटी के बीच हुए समझौते के बाद पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण का प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार ने वापस ले लिया है। इसके अतिरिक्त पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के विषय में किसी अन्य व्यवस्था का प्रस्ताव भी विचाराधीन नहीं है। समझौते में लिखा गया कि उत्तर प्रदेश में विद्युत वितरण निगम की वर्तमान व्यवस्था में ही विद्युत वितरण में सुधार हेतु कर्मचारियों एवं अभियंताओं को विश्वास में लेकर सार्थक कार्यवाही की जाएगी। कर्मचारियों एवं अभियंताओं को विश्वास में लिए बिना उत्तर प्रदेश में किसी भी स्थान पर कोई निजीकरण नहीं किया जाएगा।

मायावती ने योगी सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हाथरस के बुलगड़ी गांव में दलित युवती की मौत को लेकर बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने योगी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि जनमत की मांग है कि हाथरस कांड के पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने पर सरकार ध्यान केंद्रित करे तो बेहतर होगा। मायावती ने ट्विटर के माध्यम से लिखा कि, हाथरस कांड की आड़ में विकास को प्रभावित करने हेतु जातीय व साम्प्रदायिक दंगा भड़काने की साजिश का विपक्ष पर लगाया गया यूपी सरकार का आरोप सही या चुनावी चाल, यह समय बताएगा, किन्तु जनमत की मांग है कि हाथरस कांड के पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने पर सरकार ध यान केन्द्रित करे तो बेहतर होगा। उन्होंने आगे लिखा कि, वैसे हाथरस कांड को लेकर पीड़िता परिवार के साथ जिस

प्रकार का गलत व अमानवीय व्यवहार किया गया, उससे देश भर में काफी रोष व आक्रोश। सरकार अब भी गलती सुधारे व पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए गंभीर हो, वरना जघन्य घटनाओं को रोक पाना मुश्किल होगा।

बिजली कर्मियों के कार्यबहिष्कार से बिजली आपूर्ति ध्वस्त, एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक हाहाकार

लखनऊ। बिजली कर्मियों के कार्यबहिष्कार ने प्रदेश की करीब एक चौथाई हिस्से की बिजली आपूर्ति को ध्वस्त कर दिया है। ठप आपूर्ति से प्रदेश के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक हाहाकार मच गया। गोरखपुर से लेकर मेरठ और गाजियाबाद से लेकर वाराणसी तक बिजली व्यवस्था पटरी से उतर गई है। प्रदेश के कई जिलों के अधिकतम इलाकों की बिजली व्यवस्था सोमवार से ही ठप पड़ी है। ऐसे में बिजली बंद होने से लोग का जनजीवन पटरी से उतर गया है। शहरी क्षेत्रों में तो लोगों को बिजली के साथ–साथ पानी के लिए भी तरसना पड़ गया है। लोगों को इंतजार है कि कार्यबहिष्कार खत्म हो और आपूर्ति बहाल हो सके। प्रदेश के लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, डमरियागंज, बहराइच, गाजीपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, अमेठी, आजमगढ़, अकबरपुर, फैजाबाद, प्रयागराज, मेरठ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली सहित कई और जिलों की बिजली सप्लाई बंद है। ११ केवी लाइन, ३३ केवी लाइन, एलटी लाइन फाल्ट, ट्रांसफर्मर, जंफर जलने सहित कई अन्य और कारणों से बिजली सप्लाई ठप हो गई है। बता दें कि लेसा के राजभवन डिवीजन के अंतर्गत कूपर रोड उपकेंद्र में सुबह करीब ११ बजे बिजली सप्लाई ठप हो गई। इससे व्रिमादित्य मार्ग, माल एवेन्यू, गुलस्तां कलोनी, महिला विधायक आवास, पीडब्ल्यूडी कलोनी सहित कई वीआईपी इलाकों की बिजली सप्लाई ठप हो गई। वहीं शहर के ऐशबाग,

चौक, अमीनाबाद, महानगर, आलमबाग, सेस सहित कई और जगहों की बिजली गुल रही। इससे पहले सोमवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, स्वामी प्रसाद मौर्या, मोहसिन रजा, मुकुट बिहारी वर्मा, अनिल राजभर सहित तीन दर्जन से अधिक मंत्रियों के सरकारी आवास की बिजली गुल हो गई। इसके अलावा १५० से अधिक विध ाायक, विधान परिषद सदस्य, पूर्व मंत्री, न्यायाधीश व राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को भी बगैर बिजली के रहना पड़ा। साथ ही मुख्यमंत्री कंट्रोल रूम, समाजवादी पार्टी कार्यालय, कांग्रेस मुख्यालय, वीआईपी गेस्ट हाउस में बिजली सप्लाई न होने से काफी दिक्कत हो गई थी।

हाथरस मामला :यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दी ये दलील

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ने हाथरस में सामूहिक दुष्कर्म और हत्या कांड की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच के निर्देश देने का उच्चतम न्यायालय से भी अनुरोध किया है। साथ ही पीड़िता का शव रात में जलाने पर कहा कि यदि युवती की लाश रात को नहीं जलाई जाती तो अगली सुबह हिंसा भड़क सकती थी। योगी सरकार ने कहा है कि इस घटना के बहाने कुछ मीडियाकर्मी और राजनीतिक दल जातीय और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के कुत्सित प्रयास में जुटे हैं। सरकार ने कहा, प्रशासन को इस बात की खुफिया जानकारी थी कि बड़ी संख्या में कुछ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और कुछ अराजक तत्व जमा होने लगे थे। सुबह जातीय हिंसा भड़क सकती थी और सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता था। इसलिए पीड़िता के घरवालों की रजामंदी के बाद लाश का सांसेंतिक रीति रिवाजों का पालन करते हुए अंतिम संस्कार किया गया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने हाथरस मामले की सुनवाई से पहले ही बगैर नोटिस के अपनी ओर से मंगलवार सुबह एक हलफनामा

दायर किया, जिसमें कहा गया है कि हाथरस कांड के बहाने राज्य सरकार को बदनाम करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया, टीवी और प्रिंट मीडिया पर आक्रामक अभियान चलाए गए। राज्य सरकार ने कहा कि कुछ मीडियाकर्मी और राजनीतिक दलों के लोग हाथरस कांड के बहाने अपने निहित स्वार्थ के लिए जातीय और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। हलफनामा में कहा गया है, "चूंकि यह मामला पूरे देश के आकर्षण के केंद्र में आ गया है, इसलिए इसकी केंद्रीय एजेंसी से जांच होनी चाहिए।" योगी सरकार ने हाथरस केस में हलफनामा दायर करके शीर्ष अदालत को सीबीआई जांच का निर्देश देने की मांग की। उसने मामले में अब तक हुई जांच का विस्तृत ब्योरा न्यायालय को सौंपा और दावा किया कि कुछ निहित स्वार्थ निष्पक्ष न्याय के रास्ते में रोड़ा अटका रही हैं। शीर्ष अदालत से सीबीआई जांच की निगरानी करने का भी आग्रह किया गया है। हलफनामा में कहा गया है कि राज्य सरकार सीबीआई जांच की सिफारिश कर चुकी है ताकि निहित स्वार्थों की ओर से फैलाए जा रहे झूठ और प्रपंच से पर्दा उठ सके। राज्य सरकार ने विभिन्न मेडिकल रिपोर्टों का हवाला देकर कहा है कि युवती के साथ दुष्कर्म होने की प्रथम दृष्टया कोई रिपोर्ट नहीं है।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट का एक जन–पक्षीय फैसला

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट से एक जन–पक्षीय फैसला आया। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार की तरफ से १७ अप्रैल २०२० को जारी अधिसूचना को रद्द कर दिया। उस अधिसूचना के तहत मजदूरों के कई अधिकारों को रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महामारी का हवाला देकर मजदूरों के सम्मान और उनके अधिकारों के लिए बने कानूनों को खघ्त्म नहीं किया जा सकता। दरअसल, राज्य सरकार ने कोरोना संकट के नाम पर कारखानों को फैक्टरी एक्ट– १९४८ के तहत निर्धारित प्रति दिन काम कराने के घंटे, छुट्टी देने, भुगतान करने आदि से संबंधित प्रावधानों से छूट दे दी थी। मगर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, केएम जोसेफ और इंदु मल्होत्रा की खंडपीठ ने कहा कि महामारी का हवाला देकर मजदूरों के सम्मान एवं उनके अधिकारों के लिए बने कानूनों को खत्म नहीं किया जा सकता। इस संबंध में कोर्ट ने कहा कि फैक्टरीज एक्ट की धारा पांच की परिभाषा के तहत महामारी कोई 'पब्लिक इमरजेंसी' नहीं है, जिससे देश की सुरक्षा को खतरा हो। राज्य सरकार ने अपनी अधिसूचना में कहा था कि सार्वजनिक आपातकाल जैसी स्थिति पैदा हो जाने के कारण वह कारखानों को छूट दे रही है। राज्य ने अधिनियम की धारा ५ के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए अधिसूचना जारी की थी। इस नियम के तहत केवल सार्वजनिक आपातकाल के दौरान छूट देने की इजाजत सरकार को है। राज्य सरकार ने ओवरटाइम के लिए दोहरे वेतन के भुगतान की शर्त को भी खत्म कर दिया था। यानी नए नियम के तहत ओवरटाइम का भी भुगतान सामान्य समय की दर से करने का प्रावधान कर दिया गया था। यह आदेश अप्रैल से १९ जुलाई २०२० के बीच लागू किया जाना था। उसे गुजरात मजदूर सभा (अहमदाबाद) एवं ट्रेड यूनियन सेंटर ऑफ इंडिया (मुंबई) ने कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि ये बेहद चौंकाने वाला कदम है। जब कोविड–१९ के कारण आराम करने और स्वस्थ रहने की सलाह दी जा रही है, ऐसे में सरकार काम के घंटे बढ़ा रही है। इस नई अधिसूचना के तहत श्रमिकों से ज्यादा काम कराया जाता और कानून के अनुसार उन्हें भुगतान भी नहीं किया जाता। उससे उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य और खराब होने का अंदेशा था। अब ये आशंका कोर्ट ने दूर कर दी है।

उत्तर प्रदेश में जातीय संघर्ष की साजिश की जड़े गहरी, ईडी ने पीएफआइ पर गड़ाई निगाहें

लखनऊ। हाथरस कांड को लेकर उत्तर प्रदेश में जातीय संघर्ष की साजिश की जड़े बेहद गहरी हैं। आग लगाने के लिए विदेश से फंडिंग की जांच में जुटे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अफसरों के सीधे निशाने पर पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) समेत कुछ अन्य संगठन के पदाधिकारी हैं। ईडी ने मथुरा में पकड़े गए कैंपस फ्रंट अफ इंडिया संगठन के चार सदस्यों के विरुद्ध दर्ज एफआइआर का ब्योरा भी जुटाया है। इसके साथ ही माहौल बिगाड़ने की साजिश के केंद्र में रही वेबसाइट के बारे में तकनीकी ब्योरा जुटाने के लिए संबंधित कंपनियों से संपर्क साधा गया है।प्रवर्तन निदेशालय दिल्ली मुख्यालय की टीम पहले से नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में हुए हिंसक प्रदर्शनों के पीछे फंडिंग को लेकर पीएफआइ की भूमिका की जांच कर रही है। ईडी एक वेबसाइड के जरिये माहौल बिगाड़ने की साजिश व इसके लिए विदेश से फंडिंग के मामले में जल्द मनी लांड्रिंग के तहत अपना केस भी दर्ज करेगी। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर उत्तर प्रदेश में हुए उग्र प्रदर्शनों को लेकर पुलिस ने जनवरी व फरवरी २०२० में पीएफआइ के १३३ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। आरोपितों के विरुद्ध कई

एफआइआर भी दर्ज कराई गई थीं। हिंसक प्रदर्शनों के पीछे फंडिंग के तथ्यों को लेकर भी जांच एजेंसियों ने छानबीन शुरू की थी। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने भी इस दिशा में छानबीन की थी, जिसके बाद से माहौल बिगाड़ने की साजिश को लेकर कई संगठनों की भूमिका की छानबीन चल रही है।पीएफआइ को प्रतिबंधित करने की सिफारिश भी केंद्र सरकार से की जा चुकी है। वहीं हाथरस में देशद्रोह, कोविड–१९ की गाइडलाइन व धारा–१४४ का उल्लंघन समेत अन्य धाराओं में दर्ज कराए गए मुकदमों में आरोपितों को चिन्हित करने की कसरत भी शुरू हो गई है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने संदेह के दायरे में आए कई लोगों से लंबी पूछताछ भी की है। हाथरस में तेजी से बदलते घटनाक्रमों के बीच बीते दो दिनों में पुलिस ने अपनी कार्रवाई का दायरा बढ़ाया है। माहौल बिगाड़ने की साजिश को लेकर १९ मुकदमे भी दर्ज कराए गए हैं।एडीजी कानून– व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि वीडियो व तस्वीरों के जरिए आरोपितों को चिह्नित कर जल्द उन पर कानूनी शिकंजा कसने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। माहौल बिगाड़ने की साजिश ने पुलिस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ईडी अब फंडिंग के तार जरूर खंगालेगी लेकिन कानून–व्यवस्था के मोर्चे पर पुलिस के लिए आने वाले दिन चुनौतियों से भरे होंगे। एक अधिकारी का कहना है कि साजिश से जुड़े कई तथ्य सामने आए हैं, जिनकी जांच कराई जा रही है।

साइबर क्राइम सेल ने फेसबुक के अधिकारियों से संपर्क साधा

लखनऊ। हाथरस दुष्कर्म व हत्या के मामले में बड़े न्यूज चौनल का फर्जी स्क्रीन शॉट तैयार कर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ पर निशाना साधने के मामले में साइबर क्राइम सेल ने फेसबुक के अधिकारियों से संपर्क साधा है। फेसबुक कंपनी से आरोपित के अकाउंट से संबंधित डिटेल मांगी गई है। अब तक की पुलिस छानबीन में आरोपित के महाराष्ट्र से जुड़े होने की बात सामने आ रही है। जिसके बाद पुलिस की एक टीम को महाराष्ट्र कनेक्शन खंगालने में भी लगा दिया गया है। फिलहाल इस संबंध में जांच कर रहे अधिकारी खुलकर बोलने से बच रहे हैं,यह था मामला–बड़े राष्ट्रीय न्यूज चौनल के स्क्रीन शॉट में ब्रेकिंग न्यूज लिखकर मुख्यमंत्री की फोटो के साथ बकायदा उनका फर्जी बयान जारी किया गया था, जिसमें जातिगत टिप्पणी की गई थी। ये स्क्रीन शॉट वाट्सएप समेत अन्य सोशल मीडिया के अकाउंट पर शनिवार को तेजी से वायरल किया गया। जिस पर नरही चौकी प्रभारी भूपेंद्र सिंह की नजर गई तो उन्होंने अपने अफसरों को सूचना दी। चौकी प्रभारी नरही भूपेंद्र सिंह की तहरीर पर हजरतगंज कोतवाली में एफआइआर दर्जकर आरोपितों की तलाश शुरू की गई। इसके लिये पुलिस और साइबर क्राइम सेल की टीमों को लगाया गया। स्क्रीन शट की खबर को सबंधित चौनल के बेवसाइट पर चेक किया गया, इसका न्यूज चौनल ने भी खंडन किया। पुलिस जांच में भी यह पाया गया कि संबंधित स्क्रीन शॉट वाला मैसेज सिर्फ मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने के इरादे से किया गया था, जो पुलिस जांच में भी फर्जी पाया गया। मुन्ना यादव नामक युवक के नाम से सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म फेसबुक पर सीएम का एक फर्जी बयान पोस्ट किया गया था। जिसमें सीएम की फोटो भी लगाई गई थी।इस स्क्रीन शॉट में जातिगत टिप्पणी के साथ बड़े न्यूज चौनल का लोगों भी लगा था, जिसकी संबंधित न्यूज चौनल से पुष्टि की गई तो वह फर्जी निकला। मुन्ना यादव के खिलाफ अफवाह फैलाने, धोखाधड़ी, कूट रचना, सूचना प्रौद्योगिकी संसोधन अधिनियम, कॉपीराइट अधिनियम, सीएम की तस्वीर का गलत प्रयोग करने के साथ–साथ आईटी एक्ट और कॉपीराइट एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। साजिश में पीएफआई समेत कुछ और संगठनों की भूमिका की आंशका जताई गई है। इस दिशा में भी पुलिस जांच चल रही है।

सीट बेल्ट और हेलमेट न लगाने वालों पर कसा शिकंजा

लखनऊ। सड़क सुरक्षा सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को ट्रैफिक पुलिस ने हेलमेट और सीट बेल्ट न लगाने वालों पर शिकंजा कसा। एक दिन में हेलमेट और सीट बेल्ट न लगाने वाले १७८६ लोगों के चालान काटे गये। कई लोगों ने ट्रैफिक पुलिस से बचने के लिये भागने का भी प्रयास किया, लेकिन अधिकांश दौड़ाकर पकड़े गये और कार्रवाई भी हुई। कुछ ने तो ऊंची पहुंच का हवाला देकर बचने का प्रयास किया, लेकिन उनकी भी एक न चली। आज चलेगा अभियान– सड़क सुरक्षा सप्ताह के आज बुधवार को तीसरे दिन स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा के संबंध में ऑनलाइन टास्क दिया जाएगा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के सहयोग से संबंधित विभागों के प्रधानाचार्यों के माध्यम से ट्रैफिक विभाग की टीम स्कूलों में जाकर यह टास्क पूरा करेगी। डीसीपी ट्रैफिक ख्याति गर्ग ने बताया कि सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत ट्रैफिक पुलिस की टीम रोज विशेष अभियान चला रही है। यह अभियान सिर्फ कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है, लोगों को सड़क सुरक्षा के लिये जागरूक भी किया जा रहा है।

रिक्शा चालक को अज्ञात ट्रक ने मारी टक्कर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ आलमबाग थाना क्षेत्र में मवैया पुल के नीचे तेज रफ्तार ट्रक का कहर देखने को मिला। जहां सोमवार रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने ई–रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे रिक्शा चालक घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने ही मौके पर पहुची पुलिस ने रिक्शा चालाक को ट्रामा सेंटर पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक घायल युवक आलमबाग से चारबाग की तरफ ई–रिक्शा चलाने का काम करता है। सोमवार रात वह आलमबाग थाना क्षेत्र से चारबाग की आ रहा था। तभी तेज रफ्तार से आ रही ट्रक ने ई–रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ई–रिक्शा चालक घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस ने चालक ट्रामा सेंटर पहुंचाया। वहीं पुलिस ने बताया कि टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया।

संक्रमित वाले इलाके में विशेष अभियान चलाएगा स्वास्थ्य विभाग

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग अब सर्वाधिक कोरोना संक्रमितों वाले क्षेत्र में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग जांच व उपचार को लेकर विशेष अभियान चलाएगा। ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण पर काबू पाया जा सके। राजधानी के गोमतीनगर और आलमबाग में सबसे अधिक कोरोना संक्रमित पाए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में रोजाना लगभग ५० से ७० नए रोगी मिल रहे हैं। इससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से राजधानी में कोरोना का संक्रमण काफी हद तक काबू में आया है। रोजाना जहां १००० से अधिक औसतन मरीज २४ घंटे में पाए जा रहे थे। वहीं अब यह संख्या ४०० से ६०० के बीच में सिमट कर रह गई है, लेकिन अभी भी कई इलाके ऐसे हैं जहां रोजाना ५० हो मरीज संक्रमित हो रहे हैं। सीएमओ डॉ. संजय भटनागर ने बताया कि अलीगंज में सघन अभियान चलाया जा रहा है। अब गोमतीनगर और आलमबाग में भी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा। साथ ही पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आने वाले अन्य लोगों का एंटीजन टेस्ट कराया जाएगा। एंटीजन टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने वाले लोगों की आरटी–पीसीआर जांच भी कराई जाएगी। इसके बाद मरीज के लक्षणों व गंभीरता को देखते हुए उन्होंने होम आइसोलेशन अथवा अस्पताल का विकल्प दिया जाएगा। गोमती नगर व आलमबाग जैसे क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग ने रोजाना दो से ढाई हजार लोगों के नमूने संग्रहित करने का निर्देश दिया है।

सीएम योगी ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग कर कहा अपनी उपलब्धियां बताने के साथ विपक्ष की पोल भी खोलें

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव की तारीख घोषित होने के बाद से सभी दल बेहद सक्रिय हो गए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी मोर्चा संभाल लिया है। जौनपुर तथा देवरिया का दौरा करने के बाद अब सीएम योगी आदित्यनाथ

वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से ही भाजपा के नेता तथा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अपने सरकारी आवास से कानपुर के घाटमपुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र के मंडल, सेक्टर व बूथ पदाधिकारियों से ऑनलाइन मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा के इस उपचुनाव में बूथ के गठन और उसके बाद फिर मतदाताओं से गहन जनसंपर्क पर पूरा फोकस करें। कोरोना के कारण बदले परिश्य में यही जीत की कुंजी है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में विपक्ष विजनलेस है। उसके पास गिनाने को कुछ भी नहीं है। लिहाजा वह सिर्फ प्रोपगंडा फैला रहा है। इसके लिए वह किसी भी हद तक जा सकता है। हालिया घटनाएं इसका सबूत हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने जनहित में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। भाजपा कार्यकर्ता लोगों को केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां बताने के साथ–साथ विपक्ष की पोल भी खोलें। संपर्क के दौरान कोविड के प्रोटोकल का अनुपालन करते हुए लोगों को बताएं कि अब नौकरियां क्षेत्र या जाति के आधार पर नहीं, मेरिट के आधार पर पूरी पारदर्शीता के साथ मिलती हैं। इसी आधार पर साढ़े तीन साल में तीन लाख युवाओं को नौकरियां मिलीं हैं। जल्दी ही इतने ही युवाओं को और मिलेगी।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब सत्ता के संरक्षण में अपराधी और माफिया पनपते नहीं, बल्कि पनाह मांगते हैं। जंगलराज के नाते अब उद्यमी यहां से अपना कारोबार समेटते नहीं बल्कि लगाने को लालायित हैं और लगा भी रहे हैं। अब बिजली सिर्फ कुछ वीआईपी जिलों को नहीं, सबको तय समय तक मिलती है। उन्होंने कहा कि जबसे देश के पीएम नरेंद्र मोदी बने हैं तबसे देश को श्रेष्ठ, सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए ढेरों काम हुए हैं। यहां तक कि कोरोना के अभूतपूर्व संकट के दौरान भी उनके मार्गदर्शन में असाधारण काम हुए हैं। दूसरे प्रदेशों में रहने वाले ४० लाख से अधिक श्रमिकों और कोटा एवं राजस्थान में रहने वाले हजारों छात्रों की सकुशल और ससम्मान वापसी हुई। हर आने वाले श्रमिकों के अलावा लाखों की संख्या में जरूरतमंदों को भरण–पोषण भत्ता और राशन दिया गया। हमारी प्रतिबद्धता उत्तर प्रदेश की २४ करोड़ जनता है। हमारे युवा और उनका कौशल हमारी पूंजी है। यहां पर ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान के जरिए प्रशिक्षण देकर लाखों युवाओं को स्वरोजगार दिया गया। विकास यह सिलसिला जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा नदी हमारी आस्था की केंद्र है। इनके अविरलता और निर्मलता के लिए कानपुर में बहुत कुछ किया गया और किया जाएगा। करीब सौ वर्ष बाद सीसामऊ में अब एक बूंद भी गंदा पानी नहीं गिरता है। घाटमपुर सुरक्षित सीट से विधायक कमलरानी वरुण तो प्रदेश सरकार मे मंत्री रही थीं। उनके असामयिक निधन पर शोक जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा वह लोकप्रिय, जुझारू और विचारधारा के प्रति समिर्पत जनप्रतिनिधि थीं। पार्षद से शुरू होकर देश की सबसे बड़ी पंचायत तक पहुंचाना इसका सबूत है। उनके परिवार और परिवारीजन के प्रति मेरी पूरी संवेदना है।

सीएम योगी के दखल पर बनी सहमति, पीवीवीएनएल का निजीकरण टला

लखनऊ। पूर्वांचल की विद्युत वितरण व्यवस्था के निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संगठनों का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप पर विद्युत कर्मचारी संगठनों के नेताओं के साथ वार्ता में ऊर्जा और वित्त मंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि निजीकरण का प्रस्ताव वापस लिया जाता है। अभियंताओं–कर्मचारियों को विश्वास में लिए बिना निजीकरण नहीं किया जाएगा। दरअसल, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के निजीकरण को लेकर निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति और उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ रखा था। प्रबंधन के साथ वार्ता विफल रहने पर पांच अक्टूबर यानी सोमवार से बिजलीकर्मियों ने अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया था। इससे सूबे के बड़े हिस्से की बिजली आपूर्ति लड़खड़ाने पर प्रदेशवासियों की दिक्कतें बढ़ती जा रही थीं। सोमवार देर रात तक ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा की मौजूदगी में प्रबंधन व नेताओं की वार्ता बेनतीजा रहने पर मंगलवार को भी बिजलीकर्मियों का कार्य बहिष्कार जारी रहा। बिजली की आपूर्ति ठप होने से कई जगह स्थिति बिगड़ते देख मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह ऊर्जा मंत्री और वरिष्ठ अफसरों की बैठक बुलाई। कार्य बहिष्कार समाप्त कराने के लिए मुख्यमंत्री ने एक तरह से कैबिनेट की उप समिति बनाते हुए ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के साथ ही वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को नेताओं से बात करने के लिए कहा। दोपहर तीन बजे विधानभवन स्थित तिलक हाल में वित्त मंत्री ने संघर्ष समिति के पदाधिकारियों को वार्ता के लिए बुलाया। वार्ता में मुख्य सचिव आरके तिवारी, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा व कारपोरेशन के अध्यक्ष अरविन्द कुमार आदि भी शामिल हुए। पावर अफिसर्स एसोसिएशन के नेताओं के साथ प्रबंधन की वार्ता शक्तिभवन मुख्यालय में हुई। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा की मौजूदगी में सोमवार को जिन बिंदुओं पर कर्मचारी नेता राजी थे, उन्हीं पर वित्त मंत्री के साथ बैठक में भी नेताओं ने सहमति जताई। चूंकि कारपोरेशन के अध्यक्ष अरविन्द कुमार ही सोमवार को उन सभी बिन्दुओं पर सहमति न जताते हुए हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं थे, इसलिए समझौते के एक बिंदु में बदलाव किया गया। पहले जहां अगले वर्ष ३१ मार्च तक मंत्री, प्रबंधन व समिति द्वारा विद्युत व्यवस्था में सुधार की मासिक समीक्षा पर सहमति जताई गई थी, वहीं अब हुए समझौते में १५ जनवरी की तिथि रखी गई है।इसके पीछे प्रबंधन की मंशा यह है कि यदि तीन माह में सुधार की स्थिति नहीं दिखेगी तो चालू वित्तीय वर्ष में ही १५ जनवरी के बाद निजीकरण की प्रक्रिया शुरू की जा सके। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि समझौते के मद्देनजर कार्य बहिष्कार को वापस लेने का निर्णय किया गया है। समझौते पर सहमति जताते हुए पावर एसोसिएशन के अवधेश वर्मा ने भी कहा कि उनका आंदोलन भी स्थगित किया जा रहा है।

लखनऊ में 70 फीसद उपकेंद्रों की बिजली चरमराई

लखनऊ। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण के विरोध का खामियाजा बिजली उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा उठाना पड़ा। लेसा के किसी भी उपकेंद्र की बिजली सोमवार से लेकर मंगलवार के बीच गई तो उसे चालू नहीं किया गया। मंगलवार शाम मध्यांचल एमडी सूर्य पाल गंगवार ने स्वयं लगकर कही क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल करवाई, फिर भी घंटों लग गए। उपभोक्ताओं को पानी को लेकर सबसे ज्यादा संकट उठाना पड़ा। ऑनलाइन पढ़ाई, मोबाइल डिस्चार्ज जैसी समस्याओं से रूबरू होना पड़ा। करीब सत्तर फीसद उपकेंद्रों के कोई न कोई फीडर प्रभावित रहे। नाराज उपभोक्ताओं ने ऐशबाग, आशियाना, तालकटोरा और विश्वास खंड उपकेंद्र पर पहुंचकर नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया।अपट्रान उप केंद्र के तहत बावली पुलिस चौकी के पास नींबू की बगिया मोहल्ले की मंगलवार दोपहर से बिजली बंद हो गई। उपकेंद्र पर शिकायत करने के बाद भी जब बिजली चालू नहीं हुई तो शाम पौने छह बजे के आसपास पांच दर्जन उपभोक्ताओं ने पहुंचकर हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामा देख संविदा कर्मी इधर उधर हो गए। बिजली कर्मी की सूचना पर एसडीएम और सिटी मजिस्ट्रेट पहुंचे, तब कही जाकर स्थिति काबू में आ सकी। सिटी मजिस्ट्रेट संविदा कर्मियों को अपने साथ लेकर नींबू की बगिया में जली एबीसी लाइन बदलवाई। वहीं एसडीएम गरिमा पुलिस को लेकर उपकेंद्र पर डटी रही। इसी खंड के ही तालकटोरा उपकेंद्र इलाके में भूमिगत केबल में आए फाल्ट के कारण गढ़ी कनौरा और तालकटोरा रोड के तीन ट्रांसफार्मर की बिजली दोपहर से देर रात तक बंद रही। राजाजीपुरम न्यू उपकेंद्र से पोषित समनान गार्डन में सोमवार रात दस बजे गई बिजली मंगलवार तड़के चार बजे आई। वहीं विकास नगर में सुबह सात बजे गई बिजली शाम सात बजे के बाद चालू हो सकी। मध्यांचल एमडी सूर्य पाल गंगवार ने बताया कि पूरे दिन जिन क्षेत्रों में बिजली संकट की सूचना मिलती गई, उसे बहाल करवाने को लेकर मानीटरिंग होती रही। मध्यांचल के उन्नीस जिलों में बिजली संकट रहा।सरोसा भरोसा उपकेंद्र से पोषित पंडित खेरा की बिजली बाधित रही। उतरेठिया उपकेंद्र, वृंदावन सेक्टर ६ बी, ११ केवी कनकहा फीडर, ३३ केवी गोमती नगर विश्वास खंड फीडर, विनीत खंड, ११ केवी गुलाचीन फीडर, सरोजनी नगर व गेहरु उपकेंद्र से पोषित क्षेत्र में बिजली संकट रहा। वहीं चिनहट क्षेत्र के अंतर्गत सतरिख रोड पर ४० घंटे तक बिजली संकट रहा। हनुमान सेतु उपकेंद्र की इनकमिंग में आए फाल्ट के कारण रिवर बैंक कालोनी, डीएम व कमिश्नर कार्यालय सहित आसपास क्षेत्र में बिजली संकट खड़ा हो गया। संविदा कर्मचारियों ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण का पता नहीं चल सका। जिला प्रशासन को सूचना दी तो एसडीएम मौके पर पहुंचकर पेट्रोलिंग शुरू कराई। देर शाम तक जब बिजली चालू नहीं हुई तो रिवर बैंक कॉलोनी और कलेक्ट्रेट के आसपास के लोगों ने उपकेंद्र पर पहुंचकर हंगामा किया और बिजली चालू करने का दबाव बनाया। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर उपभोक्ताओं को उपकेंद्र से हटाया।गोमती नगर के विश्वास खंड से पोषित क्षेत्र में बिजली संकट रहा। संविदा कर्मचारियों ने बताया कि सोमवार की आधी रात को ३३ केवी लाइन में फाल्ट आ गया था। हालांकि वैकल्पिक व्यवस्था मलेशेमऊ ट्रांसमिशन उपकेंद्र से फीडर को चालू करके बिजली सामान्य की गई थी। सिंगिल स्रोत होने के कारण मंगलवार शाम करीब ५रू३० बजे अचानक वैकल्पिक फीडर में भी फाल्ट आ गया। इसके कारण विवेक खंड एक से लेकर चार तक संकट रहा देर रात तक रहा। यहां एक बार बिजली दस मिनट के लिए आई और फिर चली गई। इंटौजा उपकेंद्र से पोषि विश्व बैंक फीडर के अंतर्गत आने वाले महोना, किशुनपुर,, असनहा, भिखारी पुर व गणेशपुर में बिजली संकट सोमवार शाम से मंगलवार देर शाम तक रहा। वहीं गोसाईगंज में बिजली उपभोक्ताओं ने बाल्टी लेकर प्रदर्शन किया। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि सौ गांवों में सोमवार दोपहर से बिजली गई थी जो नहीं आई। इसके कारण घुसकर व गंगागंज फीडर पूरी तरह बंद रहे। मलिहाबाद उपकेंद्र की समस्या उपभोक्ताओं ने समाधान दिवस में उठाई। निजीकरण के विरोध में भारतीय किसान यूनियन ने ज्ञापन भी सौंपा। वहीं बीकेटी उपकेंद्र से पोषित फीडर बंद रहे। यहां किसानों व सरकारी नलकूपों के लिए अलग से बनाई गई लाइन प्रभावित रही। वही मकरंदपुर व तहसील फीडर दूसरे दिन भी बंद रहा।उपकेंद्रों से उपभोक्ता सोमवार की तरह मंगलवार को भी बैरंग लौटे। राजभवन, अमीनाबाद, ठाकुरगंज, चौक, विक्टोरिया, विश्वास खंड, ग्वारी कल्वर्ट सहित अधिकांश उपकेंद्रों में जो उपभोक्ता गया, उसे यह बताकर संविदा कर्मियों ने वापस कर दिया कि हड़ताल है। सिर्फ ई सुविधा केंद्रों में बिल जमा होते रहे।

निजीकरण की आड़ में रोजगार खत्म कर रही भाजपा सरकारः अखिलेश यादव

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार निजीकरण की आड़ में रोजगार खत्म कर रही है। इस कारण १५ लाख विद्युतकर्मी हड़ताल पर चले गए। यूपी सरकार को यह प्रस्ताव वापस ले। विद्युत क्षेत्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से ही गड़बड़ी होनी शुरू हो गई है। साढ़े तीन वर्षों में एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। विद्युत आपूर्ति गांव में लगभग १० घंटा और शहरों में १५ घंटा से ज्यादा कभी नहीं मिल पाई।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार शासन चलाने के बजाय देश के साधनों–संसाधनों का बाजार लगा रही है। निजीकरण से वह युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बेचने में लगी है। इसके दुष्प्रभावों के बारे में भाजपा नहीं सोच रही है। उसे शासन चलाने में अपनी असफलता मान लेनी चाहिए। उसकी अपनी आर्थिक कुनीतियों के चलते अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। स्थिति उसके नियंत्रण में नहीं रह गई है। इसलिए वह जल्दी से जल्दी सरकारी सेवाओं को निजी हाथों में सौंप कर अपना राजनीतिक स्वार्थ साधन करते हुए बाहर

निकलने का मौका चाहती है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार टोल, मंडी, आइटीआइ, पलीटेक्निक, सरकारी माल, हवाई अड्डा, रेल और बीमा कंपनियों के निजीकरण की दिशा में कदम उठा रही हैं। रेलवे अस्पतालों को बेचने के लिए टेंडर मांगे जा रहे हैं। सेवानिवृत्ति के बाद खाली पदों में ५० प्रतिशत पदों को समाप्त किए जाने का फैसला हो चुका है। सरकारी बैंकों की संख्या १२ से ५ करने की तैयारी है। सरकार बैंकों की हिस्सेदारी निजी क्षेत्र को बेचने की तैयारी कर रही है। देश में रोजगार की स्थिति पिछले १५ सालों में सबसे खराब है।उत्तर प्रदेश पावर आफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को संबोधित ज्ञापन राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी को सौंपा। ज्ञापन में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के सरकारी निर्णय की खिलाफत है। निजीकरण कभी उपभोक्ता हित में नहीं रहा। विभाग को इससे नुकसान ही हुआ है। आगरा में टोरंटो कंपनी को काम सौंपा गया तो लगभग २२ सौ करोड़ रुपये पुराना बिजली का बिल उसने दबाकर रख लिया है। प्रतिनिधिमंडल में कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के साथ उपाध्यक्ष एसपी सिंह, अतिरिक्त महासचिव अनिल कुमार, संगठन सचिव अजय कुमार तथा सचिव आरपी केन शामिल थे।

सरोजनीनगर मे तहसील दिवस पर नायब तहसीलदार पर भडकी मंत्री स्वाति सिंह

अखिलेश दुबे

लखनऊ। सरोजनीनगर मे तहसील दिवस के मौके पर सोशल डिस्टेंसिंग को नजरदांज करते दिखे प्रशासन के

अधिकारी के साथ शासन की खास। वही तहसील दिवस के मौके पर नायब तहसीलदार मनीष त्रिपाठी पर मंत्री स्वाति सिंह जमकर बरसी। साथ ही सरोजनीनगर तहसील क्षेत्र के नायब तहसीलदार पर गुंडागर्दी करने की बात कही है। मंत्री स्वाती सिंह ने नायब तहसीलदार मनीष त्रिपाठी को चेतावनी देते हुए कहा कि डीएम से शिकायत कर पिस्टल का लाइसेंस रद्दद कराती हूँ।

पुस्तक मेला समितियों की प्रतियोगिताएं सकारात्मक सोच बनाएगी हरदम विजेता

लखनऊ। केवल इस कोरोना काल में ही नहीं, सकारात्मक सोच हमें हमेशा विजेता बनाएगी। यह सार था उन प्रतियोगियों के वक्तव्यों का जिन्होंने आज अपनी अभिव्यक्ति प्रतियोगिता के जरिए आनलाइन दी। राष्ट्रीय पुस्तक मेला समिति और लखनऊ पुस्तक मेला समिति

द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अनलाइन पुस्तक मेले में छठे दिन 'लाकडाउन में सकारात्मक परिणाम' विषयक सम्भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें देश– प्रदेश के बाल और युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस क्रम में बुधवार ७ अक्टूबर को भजन गायन की प्रतियोगिता होगी। ज्योति किरन रतन के संयोजन और संचालन में हुए इस वृहद प्रतियोगितात्मक कार्यक्रम में पांच से सोलह साल तक के प्रतिभागियों ने उत्साह से भाग लिया। कानपुर से अवनीत कुमार चावला, कोटा से आस्था चतुर्वेदी, बस्ती से प्रणव तिवारी, गोरखपुर से अंतरा चौधरी, बनारस से अविका गुप्ता और लखनऊ से मंजु सिंह, रिद्धिमा सोनकर और अक्षिता सिंह सहित अन्य कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने कहा कि कोरोना संकट काल जहां विश्व पर काल बनकर मंडरा रहा है वहीं, इस आपदा में भी लोगों ने अपने और समाज के विकास का मार्ग तलाश लिया हे। लोगों को अपने परिवार के साथ अधिक से अधिक समय बिताने का अवसर मिला वहीं कम खर्च में गृहस्थी चलाने का हुनर भी सीखा। इस खाली समय में लोगों ने ज्ञानार्जन किया वहीं अपने शौक भी पूरे किये। यहां तक की लोग अपने घरों की आंतरिक और वाह्य सज्जा भी मन मुताबिक पूरे समय मौजूद रहकर अपने सामने करवा पाए। स्वास्थ खानपान के प्रति लोग सजग हुए और फूलों की बगिया के साथ साथ साग सब्जियों की बगिया भी विकसित की। अब वह अपनी बगिया की लौकी और तुरई का आनंद ले रहे हैं। वाहन कम चलने से प्रदूषण पर अंकुश लगा वहीं लोगों की पैदल चलने की आदत पड़ी। लोगों ने मास्क आदि बनाकर रोजगार के अवसर भी सृजित किये। समाजोपकार के प्रति भी लोग जागरुक हुए और उन्होंने प्रवासी मजदूरों से लेकर झोपड़–पट्टियों तक में भोजन, कपड़े दवाएं आदि पहुंचायी। अनलाइन क्लास ने अभिभावकों के समक्ष यह अवसर भी उपलब्ध करवाया कि वह अध्यापक की मेहनत और अपने बच्चे के सहपाठियों की तत्परता से भी रूबरू हो पाए। प्रतिभागियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनहित मे किये जा रहे कार्यो की भी प्रशंसा की। वक्ताओं ने संदेश दिया कि ऐसा विकास हो जिसमें समाज का विकास हो। प्रेंति का संरक्षण हो। मेला संयोजक मनोज सिंह चंदेल ने बताया कि इन आनलाइन प्रतियोगिताओं में यह अच्छी बात है प्रतिभागी राजधानी के अलावा अन्य जिलों और प्रदेश से बाहर भी भाग ले पा रहे हैं।

किसान विरोधी काले कानूनो के खिलाफ कांग्रेस लडाई जारी रखेगी : लल्लू

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि उनकी पार्टी किसान विरोधी काले कानूनो के खिलाफ अपनी लडाई जारी रखेगी। लल्लू आज यहांषि कानूनों के खिलाफ नगर के महावीर चौक के निकट राजकीय इंटर कॉलेज मैदान पर आयोजित किसान महासम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने केन्द्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि उनकी पार्टी किसान विरोधी काले कानूनो को वापिस नहीं लिये जाने तक अपनी मुहिम जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानो के हक के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने हाथरस की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि पीडित परिवार से मिलने जाते वक्त पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी के साथ पुलिस द्वारा किए गये दुर्व्यहार की कड़े शब्दो में निन्दा करते हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि योगी सरकार में लगातार महिलाओं पर अत्याचार हो रहे है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाथरस की घटना में सरकार तथ्यों को छिपा रही है और इसी कारण मीडियाकर्मियों और राजनीतिक व्यक्तियों को वहां पर जाने नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि फूलगढी जाने पर रालोद उपाध्यक्ष जयन्त चौधरी एवं कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की घटना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि बार–बार सरकार द्वारा उत्पीडन किये जाने से यह सरकार शीघ्र ही नेस्तनाबूद हो जायेगी। किसान महापंचायत को सम्बोधित करते हुए महापंचायत के संयोजक एवं पूर्व सांसद हरेन्द्र मलिक ने कहा कि किसानों से संबंधित पास कराये तीनों अध्यादेश किसान विरोधी है।

संपन्न हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील में कोविड–१९ के नियमो का पालन करते हुए अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुवा संपूर्ण समाधान दिवस अपर जिलाधिकारी के साथ उप जिलाधिकारी मोहनलालगंज किंशुक श्रीवास्तव समेत तमाम आला अधिकारी मौजूद रहे उप जिलाधिकारी मोहनलाल गंज किंशुक श्रीवास्तव ने फरियादियों की शिकायत पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान करने के लिए आदेशित किया हालांकि फरियादियों की शिकायतें पहले की संख्या पहले की तुलना में बहुत कम दिखाई दी। वहीँ मोहनलालगंज बक्का खेड़ा निवासी सीता पति पत्नी संत कुमार ने उप जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आवास की मांग की।वहीँ निगोहा के शेरपुर लवल गांव के हर्ष बहादुर पुत्र रामकिशोर ने बताया कि उनकी भूमि के मेड़ पर पड़ोसी जमीन के मालिक के पेड़ लगे हुए हैं जिसकी छाया से उसकी फसल बर्बाद हो जाती है जब भी वह लताओं को काटने का प्रयास करता है तो पड़ोसी मारपीट पर आमादा हो जाते हैं जिससे उसकी पूरी फसल नष्ट हो जाती है पीड़ित ने उप जिलाधिकारी से पेड़ छटाई कराने की मांग की वही अन्य फरियादी अपने प्रार्थना पत्रों के साथ तहसील पहुंचकर अपनी शिकायतों को दर्ज कराया उप जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायत पत्रों को देखकर संबंधित अधिकारी को तत्काल जांच के आदेश जारी की वही हर बार की तरह इस बार भी राजस्व विभाग से सबसे ज्यादा मामले सामने आए राजस्व विभाग से कुल ११३ प्रार्थना पत्र सामने जिनके समाधान हेतु उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आदेशित किया कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान हो वही पुलिस विभाग के २६ प्रार्थना पत्र सामने आए विकास विभाग से २७ प्रार्थना पत्र सामने आए समाज कल्याण से १० प्रार्थना पत्र सामने आए शिक्षा विभाग से २ प्रार्थना पत्र अन्य में ३५ शिकायतें सामने आई कुल २१३ शिकायत प्रार्थना पत्रों में ६ का ही मौके पर निस्तारण हो सका वह भी छह मामले राजस्व विभाग के थे बाकी शिकायतें संबंधित विभाग के अधिकारियों

कृषि कानूनों के विरोध में हरियाणा पहुंचे राहुल

चंडीगढ़। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कृषि कानूनों के विरोध में तीन दिन तक पंजाब में ट्रैक्टर रैली करने के बाद मंगलवार की शाम को हरियाणा पहुंचे। पंजाब से वे खुद ट्रैक्टर चला कर हरियाणा पहुंचे। हरियाणा पहुंचने पर सीमा पर ही उनकी ट्रैक्टर रैली को रोक दिया गया। इसके बाद राहुल वहीं धरने पर बैठ गए और कहा कि चाहे एक घंटा बैठना पड़े या पांच हजार घंटा, व वहीं बैठेंगे। बाद में हरियाणा सरकार ने उनको एक सौ लोगों के साथ हरियाणा में घुसने की इजाजत दी। कोरोना वायरस की वजह से राजनीतिक कार्यक्रमों में एक सौ से ज्यादा लोगों के जमा होने की इजाजत नहीं है। तभी पुलिस ने रैली को रोक दिया। वहां धक्कामुक्की भी हुई और राहुल धरने पर बैठ गए। कुछ देर बातचीत के बाद राहुल को एक सौ कार्यकर्ताओं के साथ हरियाणा में घुसने दिया गया। पुलिस ने उनकी ट्रैक्टर रैली को देखते हुए सुरक्षा के इंतजाम किए थे। कुरुक्षेत्र और करनाल में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई थीं। हरियाणा पहुंचे राहुल गांधी ने कुरुक्षेत्र में गीता स्थल पर प्रार्थना की। हरियाणा कांग्रेस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा इस रैली में राहुल के साथ शामिल थे। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला पटियाला से ही रैली के साथ थे। उनके अलावा राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष कुमारी शैलजा आदि भी रैली में शामिल हुए। कुमारी शैलजा ने करनाल और कुरुक्षेत्र के डीएम से

यात्रा की इजाजत ली थी। हालांकि कहा जा रहा है कि उन्होंने रैली की इजाजत नहीं ली थी। कृषि कानूनों के विरोध में पंजाब में तीन दिन तक ट्रैक्टर रैली करने के बाद राहुल गांधी ने मंगलवार को पटियाला में प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला किया और कृषि कानूनों को काला कानून बताते हुए कहा कि इससे देश की खाद्य सुरक्षा पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन कानूनों के जरिए अपने कुछ पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाना चाहते हैं। राहुल गांधी ने कहा– ये जो तीनों कानून बनाए गए हैं वो खाद्य सुरक्षा की मौजूदा व्यवस्था को नष्ट करने का प्रयास है। उन्होंने कहा– इन कानूनों से पंजाब और हरियाणा पर सबसे ज्यादा विपरीत असर होगा। राहुल ने कहा– पहले नोटबंदी की गई और जीएसटी लागू किया गया। इससे छोटे व मध्यम कारोबार नष्ट हो गए। सरकार ने कोई मदद नहीं की। उन्होंने कहा– देश में खाद्य सुरक्षा की एक व्यवस्था है। अगर यह टूट गई तो सिर्फ किसानों को नहीं, बल्कि सभी लोगों को नुकसान होगा। विपक्ष के कमजोर होने की धारणा से जुड़े एक सवाल पर उन्होंने कहा– जब पूरे संस्थागत ढांचे को नियंत्रण में ले लिया गया है तो ऐसे में यह कहना उचित नहीं है कि विपक्ष कमजोर है। उन्होंने दावा किया कि देश की आत्मा पर जबरन कब्जा कर लिया गया है।

विद्युत कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार के चलते उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी से परेशान

लखनऊ। विद्युत कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार के चलते राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के सिसेंडी नगराम सहित कई अन्य इलाकों में मंगलवार सुबह से ही विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। वहीं विद्युत कर्मचारियों द्वारा कार्य बहिष्कार के चलते उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जब उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से आपूर्ति बाधित होने की बात बताई तब अधिकारियों ने कार्य बहिष्कार की बात बोल कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। मोहनलालगंज के पुराने पॉवर हाउस के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गाँवों में सोमवार शाम करीब ५ बजे से रात ११ बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही और फिर मंगलवार सुबह ८रू३० बजे से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से हजारों की संख्या में उपभोक्ताओं को परेशानियों को सामना करना पड़ा। अभी तक विधुत आपूर्ति बाधित है जैसे दहियर, धर्मावत खेड़ा, धर्मगत खेड़ा, उदवत खेड़ा, खुजौली, रायभान खेड़ा सहित दर्जनों गाँवों में विद्युत आपूर्ति बाधित रही क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है

केजीएमयू में अंधेरे में ट्रक में भरा लाखों का सामान गार्डों ने पकड़ा

लखनऊ। केजीएमयू में अक्सर विद्युत विभाग के कारनामे छाए रहते हैं। मगर, इस बार बड़े गोलमाल की घटना उजागर हुई। यहां अंधेरे में एक ट्रक पर जनरेटर समेत बिजली का काफी सामान लोड कर लिया गया। वहीं तड़के कैंपस से बाहर

जाते वक्त ट्रक को गार्डों ने पकड़ लिया। चालक गार्डों को कोई दस्तोवज नहीं दिखा सका। ऐसे में मौके पर अफसर पहुंच गए। मामले की जांच के लिए कमेटी का गठन कर दिया गया। केजीएमयू में सोमवार अंधेरे में विद्युत विभाग के पास ट्रक आया। चर्चा है कि एक कार्यदायी संस्था द्वारा कैंपस में एलईडी लाइटें लगनी थीं। मगर, वह काफी दिनों से रखी थीं। ऐसे में इन्हें चुपचाप ठिकाने लगाने का प्लान बनाया गया। अंधेरे में करीब ३३५ एलईडी लाइटें ट्रक पर लोड कर ली गईं। वहीं एक जनरेटर भी ट्रक पर चढ़ा दिया गया। इस सामान की कीमत ३० लाख से अधिक बताई जा रही है। वहीं सुबह तड़के ट्रक कैंपस के बाहर जा रहा था। अचानक गार्डों की नजर ट्रक पर पड़ी। गार्डों ने ट्रक को रोक लिया। साथ ही जनसंपर्क अधिकारी को सूचना दी। चालक से बाहर लिए जा रहे सामान के दस्तोवज व गेट पास मांगा गया। मगर, वह कुछ नहीं दिखा सका। लिहाजा, जनसपंर्क अधिकारी ने चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर आर एएस कुशवाहा को घटना की जानकारी दी। लाखों का माल गायब होने की सूचना पर प्रॉक्टर मौके पर पहुंचे। ट्रक को कैंपस रोक दिया गया है। संस्थान के प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह के मुताबिक घटना की जानकारी मिली है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अब्बास अली, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. कलीम अहमद, डॉ. कीर्ती व डॉ. क्षितिज श्रीवास्तव को जांच का जिम्मा सौंपा गया है। कमेटी सप्ताह भर में रिपोर्ट सौंपेंगी। वहीं घटना को लेकर कैंपस में एक इंजीनियर चर्चा में हैं। कारनामें के पीछे उनका ही हाथ बताया जा रहा है।

देवरिया की घटना का सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिया संज्ञान

लखनऊ। देवरिया में युवक के साथ हैवानियत का सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। सीएम ने इस संबंध में अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार शलभ मणि त्रिपाठी ने पूरे घटनाक्रम से सीएम योगी आदित्यनाथ को अवगत कराया। इसके बाद सीएम ने कड़ा रूख अपनाया। शलभ मणि त्रिपाठी ने बताया कि पूरी घटना से अवगत होने के बाद सीएम ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके बाद पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। देवरिया के सदर कोतवाली के सकरापार के समीप दबंगों ने भूमि विवार में एक युवक की पिटाई की गई और क्रूरता की हद पार कर हाथ पैर बांध कर उसको पेशाब पिला कर जनेऊ तोड़ दिया। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। सदर कोतवाली के पंसरही निवासी अनीश चंद द्विवेदी का पड़ोसी सतीश यादव के घर से भूमि का विवाद चल रहा है। दो दिन पूर्व दोनों पक्षों में विवाद हुआ। लोगों ने मामले को शांत करा दिया।

रविवार को एक वीडियो मकान निर्माण करा रहे एक युवक ने वायरल कर दिया। वीडियो में कहा गया है कि युवक अपने पिता को लेने के लिए बाइक से शनिवार की रात जा देवरिया जा रहा था। इस बीच सकरापार के समीप गांव के दबंग परिवार के कुछ लोगों ने घेर लिया और असलहा लगा दिए। इसके बाद पिटाई की और मुझे पेशाब पिला दिया। साथ ही किसी से कहने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। उनके सामने मैं गिड़गिड़ाते रहा, लेकिन वह थोड़ा भी रहम नहीं दिखाए। रविवार को वीडियो वायरल होने के बाद एएसपी, सीओ सिटी निष्ठा उपाध्याय, कोतवाल सीबी सिंह, एसओजी प्रभारी गिरिजेश तिवारी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच की।पूरे घटनाक्रम में मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार शलभ मणि त्रिपाठी के सक्रिय होने के बाद पुलिस हरकत में आई। घटना की जानकारी होते ही शलभ मणि ने सीएम योगी आदित्यरनाथ को पूरी घटना से अवगत कराया और स्थिति को संभालने में लग गए। शलभ मणि से जानकारी मिलने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ से सख्त रवैया अख्तियार किया। सीएम ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिया कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके बाद एक्शन में आई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

नशे में धुत दबंगों ने युवक को चौकी के सामने पीटा

लखनऊ। मोहनलालगंज के कनकहा स्थित मंगलम ढाबे पर सोमवार की रात को युवक अपनी कार से लखनऊ से निगोहां जा रहे युवक के पानी लेने के दौरान नशे में धुत आधा दर्जन दबंगों ने गाली गलौज कर मारने दौड़े। गाड़ी से भागे युवक को दबंग आरोपियों ने चौकी के सामने घेर कर उसकी पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों को हिरासत मे लेकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गाड़ियों को अपने कब्जे में ले लेकर मंगलवार को जेल भेज दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार निगोहां प्रधान पुत्र अभय दीक्षित लखनऊ से अपने घर निगोहां वापस लौट रहे थे। मोहनलालगंज के कनकहा स्थित मंगलम ढाबे के पास पानी लेने के रूके उसी दौरान नशे में धुत शेर बहादुर पुत्र राम किशुन सरवन संजय कुमार शर्मा पुत्र राम नरेश निवासीगण उतरावांए पंकज शर्मा पुत्र सुरेश निवासी टिकरा निगोहां सुदेश कुमार पुत्र मोहनलाल दबंगों ने युवक के साथ अभद्रता करते हुए गाली गलौज करने लगे। दबंगों को नशे में धुत देकर युवक अपनी कार लेकर निकलने लगा। जिसके बाद नशे में धुत दबंगों ने दो गाड़ियों यूपी ३२एचवी ६४३३ स्कार्पियों और यूपी ३२ एलएफ ५०८० अल्टोकार से युवक की गाड़ी को दौड़ा लिया और चौकी के सामने लगे बैरियर के पास रोककर युवक को लात घूंसों से उसकी पिटाई करने गले। युवक की चीख पुकार सुनकर चौकी से आये पुलिस कर्मियों ने दबंगों से युवक को बचाया। जिसके बाद पुलिस ने पीडित युवक की तहरीर पर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मंगलवार को जेल भेज दिया और दोनों गाड़ियों को अपनी कस्टडी में ले लिया।

चेकिंग के दौरान गांजे के साथ एक गिरफ्तार

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने सोमवार की रात चेकिंग के दौरान एक युवक को लगभग सवा दो किलो गंजे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी सचिन कुमार सिंह के मुताबिक सोमवार की देर रात हबीब पुर गांव के तालाब के पास से चेकिंग के दौरान दोहरी भिलवल थाना लोनी कटरा जनपद बाराबंकी निवासी रवि रावत बाइक से दो किली ३५० ग्राम गांजे को लेकर जा रहा था जिसे चेकिंग के दौरान पकड़ा गया। पूछतांछ के बाद युवक को जेल भेज दिया गया।

चीन को रोकने पर चार देशों ने की चर्चा

नई दिल्ली। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत को रोकने के लिए चार देशों के विदेश मंत्रियों ने मंगलवार को चर्चा की। क्वाड देशों– भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया

और अमेरिका के विदेश मंत्रियों की एक अहम बैठक मंगलवार को जापान की राजधानी टोक्यो में हुई। इस बैठक में शामिल चारों देशों ने एक साथ मिलकर हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे को कम करने पर चर्चा की। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा– हम एक जीवंत लोकतंत्र हैं, जिसके अपने मूल्य हैं। हम अंतरराष्ट्रीय नियमों को मानने में यकीन रखते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही के पक्ष में हैं। साथ ही हम अपनी सीमा और संप्रभुता का सम्मान भी करते हैं। हम किसी भी विवाद का शांति से समाधान चाहते हैं। जयशंकर ने इस बैठक के बाद जापान के प्रधानमंत्री एस सुगा से भी मुलाकात की। विदेश मंत्री जयशंकर ने मंगलवार को टोक्यो में अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने दोपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न पहलुओं और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने के तरीकों पर चर्चा की। क्वाड की पहली मंत्रिस्तरीय बैठक २०१९ में न्यूयर्क में हुई थी। दूसरी बैठक टोक्यो में हुई है। विदेश मंत्री जयशंकर ने जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के अलावा अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के अपने समकक्षों से भी मुलाकात की। जयशंकर ने ट्विट किया– विदेश मंत्री पोम्पिओ के साथ दोपक्षीय वार्ता कर अपनी टोक्यो यात्रा की शुरुआत की। कई क्षेत्रों में हमारी साझेदारी में प्रगति को देख खुश हूं। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि के लिए मिल कर काम करेंगे। विदेश मंत्री ने सुगा के साथ अपनी मुलाकात की जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी के दोपक्षीय और वैश्विक आयामों का जिक्र किया।

मातृभाषा की अनदेखी नहीं की जा सकतीः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आंध्र प्रदेश में सभी सरकारी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में तब्दील करने के मामले में मंगलवार को कहा कि मातृभाषा की अनदेखी नहीं की जा सकती। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे,

न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रमासुब्रमण्यम की खंडपीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की विशेष अनुमति याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि मातृभाषा की अनदेखी नहीं की जा सकती। मातृभाषा के माध्यम से मातृभाषा के माध्यम से पढ़ना–लिखना सीखना बच्चे के लिए सबसे अच्छी नींव है। न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा, "हमें पता होना चाहिए कि नींव के लिए बच्चे को मातृभाषा के माध्यम से सीखना जरूरी है।" आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य के सभी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में तब्दील करने के जगनमोहन रेड्डी सरकार के आदेश को रद्द कर दिया है, जिसे शीर्ष अदालत में चुनौती दी गयी है। आंध्र सरकार सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता केवी विश्वनाथन ने दलील दी कि मातृभाषा से समझौता नहीं किया जा रहा है। गरीब छात्र अंग्रेजी माध्यम के लिए भारी शुल्क का भुगतान नहीं कर सकते। राज्य में ६६ प्रतिशत माता–पिता अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाना चाहते हैं, जबकि तेलुगु के लिए हर मंडल में ऐसा एक स्कूल है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की याचिका पर अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया था। मामले की सुनवाई अगले सप्ताह होगी। गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने अप्रैल में जगनमोहन रेड्डी सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें पहली से छठी कक्षा तक सभी सरकारी स्कूलों को शैक्षणिक सत्र २०२१–२२ से अनिवार्य रूप से अंग्रेजी माध्यम में तब्दील करने को कहा गया था।

छुट्टा जानवर बने किसानों की परेशानी का सबब

लखनऊ। निगोहां में छुट्टा जानवर किसानों की परेशानी का सबब बन गए हैं। पशु आश्रय केन्द्रों की बदइंतजामी के चलते छुट्टा जानवर किसानों की फसल को घूम–घूम कर अपना निवाला बना रहे हैं। फसल बर्बाद होने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। मामले में शिकायत के बाद भी आवारा जानवरों के आतंक से किसानों को निजात नही मिल पा रही है। आवारा और छुट्टा जानवरों के आतंक से किसानों को निजात दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने गांव में पशु आश्रय केंद्र बनवाये ताकि छुट्टा जानवरों को वहां रखा जा सके और उनसे होने वाले फसल के नुकसान को बचाया जा सके। किसानों को उम्मीद थी कि अब उनकी फसल बर्बाद नही होगी, लेकिन आश्रय केंद्रों की बदइंतजामी और जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते आवारा जानवर छुट्टा घूम रहे हैं। क्षेत्र में किसान आवारा और छुट्टा पशुओं के आतंक से परेशान है। आवारा जानवर खेत मे बोई गई फसलों को अपना निवाला बना रहे है। जिससे किसानों की मेहनत से उगाई गयी फसल बर्बाद हो रही है। फसल बर्बाद होने से किसानों की आर्थिक हालत खराब होती जा रही है छुट्टा जानवरों से फसल को हो रहे नुकसान से परेशान किसान प्रशासन से इन जानवरों पर अंकुश लगाने की गुहार भी लगा चुके है लेकिन इस मामले में कोई सुनवाई नही होने और फसल नुकसान हो जाने से किसान हताश है। निगोहां क्षेत्र के मीरख नगर , कांटा करौंदी , करनपुर , नंदौली सहित आसपास के करीब एक दर्जन से अधिक गांवों में आये दिन छुट्टा जानवर घूम–घूम कर किसानों की फसलों को अपना निवाला बना रहे है। आप इन तस्वीरों में देख सकते है कि किस तरह से जानवर खेत में फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं।निगोहां क्षेत्र के नंदौली ग्रामसभा के दर्जनों किसानों ने मंगलवार को समाधान दिवस पर एक बार फिर छुट्टा जानवरों से निजात पाने के लिए उपजिलाधिकारी को प्रार्थना–पत्र दिया है ।मंगलवार को संपूर्ण समाधान दिवस पर संतोष कुमार सिंह, मोहम्मद नासिर खान, मोहम्मद हामिद, महादेव , अमर सिंह , आनंद कुमार, अवधेश सिंह, राकेश सिंह सहित दर्जनों किसानों ने एक प्रार्थना पत्र देकर आवारा जानवरों से निजात पाने के लिए गुहार लगाई है।

दो पक्ष के लोगों में हुई मारपीट में बुजुर्ग की मौत

लखनऊ। अर्जुनगंज में रविवार देर रात सब्जी का ठेका लगाने को लेकर दो परिवारों के बीच जमकर मारपीट हुई, जो खूनी रंजिश में तब्दील हो गई। मारपीट के दौरान एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं कुछ अन्य लोग चोटिल हुए। इंस्पेक्टर कैंट मनोज कुमार के मुताबिक अर्जुनगंज निवासी नफीस व ओमप्रकाश सब्जी विक्रेता हैं। रविवार रात सब्जी ठेला लगाने को लेकर ओमप्रकाश व नफीस के घरवालों से आपस में विवाद हो गया। जिसके बाद दोनों परिवारों के लोगों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया, जाकर मारपीट भी हुई। मारपीट के दौरान ही ओमप्रकाश को चोट लगी और इसी बीच उन्हें हार्ड्अटैक पड़ गया। जिससे ओमप्रकाश मौके पर ही अचेत हो गए। घरवाले ओमप्रकाश को लारी कॉर्डियोलजी ले गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ओमप्रकाश की मौत के मामले में उनके बेटों के ओर से नफीस व उनके परिवार के खिलाफ तहरीर दी है। उधर पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही है।

अमानत में ख्यानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज

लखनऊ। आलमबाग थाना क्षेत्र में रहने वाले एक मोटर मालिक ने अपने दो मित्रों पर गाडी मांग कर ले जाने और दुर्धटनाकर गाडी को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर देने व दबंगई करने का आरोप लगाते हुए नामजद लिखित शिकायत की हैं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अमानत में ख्यानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया हैं।आलमबाग थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आलमबाग के आन्नद नगर निवासी मनोज षर्मा पुत्र जे पी शर्मा ने अपने दो दोस्तों तेजी खेड़ा निवासी जितेन्द्र त्रिपाठी व सदर निवासी मुरारी मिश्रा पर अमानत में ख्यानत व उनकी चारपहिया गाड़ी संख्या यूपी ३२ ईएम १४०३ को दुर्धटना में बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर देने व दबंगई करने का आरोप लगा नामजद लिखित षिकायत किए थे जिसपर मुकदमा दर्ज कर आरोपीयों के खिलाफ कार्यवाही किया जा रहा हैं। वहीं पीड़ित के मुताबिक वह अपनी चारपहिया गाड़ी जो कि बैंक से फाइनान्स थी उसे बेच रहे थे इस दौरान उनके मित्र जितेन्द्र ने गाड़ी को लेने व बैंक की किस्तें जमा करने की बात कहते हुए गाड़ी को बीते वर्ष जून माह में अनुबन्ध कराकर ले लिया लेकिन डिसम्बर २०१६ से बैंक की किस्तें देना बंद कर दिया। इस दौरान जितेन्द्र ने गाड़ी अपने मित्र सदर निवासी मुरारी मिश्रा को चलाने के लिए दे दी। मुरारी ने गाड़ी को चलाते हुए कानपुर रोड उन्नाव के पास दुर्धटनाग्रस्त करा दिया जिससे गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की जानकारी उनको आनन्द मोटर्स से नोटिस आने पर हुआ जिस पर उन्होंने अपने मित्र से सम्पर्क किया तो उन्होनें गाड़ी बनवाने का वादा किया लेकिन गाड़ी का मरम्मत नहीं कराया इस पर उन्होनें विरोध करते हुए पुलिस आयुक्त से शिकायत की जिस पर आरोपी आलमबाग थाने पर आये और पुलिस के सामने भी गाड़ी बनवाकर वापस कर देने का आश्वासन दे चलते बने लेकिन इसके बाद फोन भी उठाना बंद कर दिया जिस पर उन्होने नामजद लिखित शिकायत किया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपीयों के खिलाफ धारा ४०६ व ५०४ में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चेहलुम को लेकर राजधानी पुलिस हुई सतर्क

लखनऊ। पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडे के भीड़ भाड़ सुरक्षा व्यवस्था शांति व्यवस्था को लेकर लखनऊ राजधानी पुलिस को सख्त दिशानिर्देश आज थाना पारा क्षेत्र में एसीपी काकोरी सैयद कासिम आबदी थाना पारा प्रभारी त्रिलोकी सिंह हंस खेड़ा चौकी उप निरीक्षक सुरेश नारायण मिश्रा भारी पुलिस बल सहित निकाला पैदल फ्लैग मार्च डॉक्टर खेड़ा नरपत खेड़ा हंस खेड़ा सिंगल डूडा कलोनी नई काशीराम पुरानी काशीराम चुन्नू खेड़ा मुन्नू खेड़ा प्रसादी खेड़ा सदरोना काशीराम कलोनी होते हुए सदरोना गांव से सरोसा तक पूरे पारा क्षेत्र में पैदल फ्लैग मार्च पुलिस बल सहित एसीपी काकोरी ने निकाला चेहलम को लेकर सर सम्मानित व्यक्तियों को शांति व्यवस्था सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने को जागरूक कराया एसीपी काकोरी ने गली कूचे मोहल्लों में सड़कों पर पैदल फ्लैग मार्च करते हुए भीड़ भाड़ इकट्ठा ना हो सम्मानित व्यक्तियों से अपील की एसीपी काकोरी ने कोरोना बीमारी महामारी से बचते हुए अपना कार्य करें सम्मानित व्यक्तियों को विभिन्न अपीलों करते हुए दूरी बनाए रखने को लेकर भीड़ इकट्ठा ना करें शांतिपूर्ण चेहलम गमी के महीना को मनाए पूरे पारा क्षेत्र में पैदल फ्लैग मार्च के साथ–साथ हर मोहल्ले के सम्मानित व्यक्तियों को यह कहते हुए कि अगर कहीं आवारा लोफर लफंगे तथाकथित लोग झगड़ा फसाद या भीड़ भाड़ इकट्ठा करते नजर आते हैं तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

अद्भुत गाँव : सिकंदर के सैनिकों का गाँव

अमरेन्द्र सहाय अमर

हमारा देश भारत विचित्रताओं से भरा है. भारत सदियों से अपने अंदर ऐसे कई रहस्यों को समेटे हुए है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को ही पता है. भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में जानकर दुनिया भर के लोग हैरान हो जाते हैं. लोग दांतों तले उंगली दबा लेते हैं. एक ऐसा ही गाँव हिमाचल प्रदेश में भी है. यह गांव अपने आप में बेहद ही रहस्यमय है. इस गांव के लोग ऐसी भाषा में बात करते हैं, जो यहां के लोगों के अलावा किसी को भी समझ में नहीं आती है. इस गांव का नाम है मलाणा. हिमालय की चोटियों के बीच स्थित मलाणा गांव चारों तरफ से गहरी खाइयों और बर्फीले पहाड़ों से घिरा है. करीब १७०० लोगों की आबादी वाला ये गांव सैलानियों के बीच खूब मशहूर है. दुनिया भर से लोग यहां घूमने के लिए आते हैं. यह गाँव मलाणा अपनी कुछ विचित्रताओं के चलते देशी विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. हालांकि, मलाणा तक पहुंचना बहुत ही मुश्किल है. इस गांव के लिए कोई भी सड़क नहीं है. पहाड़ी पगडंडियों से होते हुए ही यहां तक पहुंचा जा सकता है. फिर भी लोग इस रहस्यमय गाँव में पंहुचते हैं. पार्वती घाटी की तलहटी में स्थित जरी गांव से यहां तक सीधी चढ़ाई है. जरी से मलाणा तक पहुंचने में करीब चार घंटे लग जाते हैं. इस गांव से जुड़े कई एतिहासिक किस्से हैं, रहस्य हैं और कई अनसुलझे सवाल हैं, जिसमें से एक ये है कि यहां के लोग खुद को यूनान के मशहूर राजा सिकंदर महान का वंशज बताते हैं. कहते हैं कि जब सिकंदर ने हिंदुस्तान पर हमला किया था, तो उसके कुछ सैनिकों ने मलाणा गांव में ही पनाह ली थी और फिर वो यही के होकर रह गए. यहां के निवासी सिकंदर के उन्हीं सैनिकों के वंशज कहलाते हैं. हालांकि यह अभी तक पूरी तरह से साबित नहीं हुआ है. सिकंदर के समय की कई चीजें मलाणा गांव में मिली हैं. कहा जाता है कि सिकंदर के जमाने की एक तलवार भी इसी गांव के मंदिर में रखी हुई है. यहां के लोग कनाशी नाम की भाषा बोलते हैं, जो बेहद ही अबूझ और रहस्यमय है. वो इसे एक पवित्र जबान मानते हैं. इसकी खास बात ये है कि ये भाषा मलाणा के अलावा दुनिया में कहीं और नहीं बोली जाती. इस भाषा को बाहरी लोगों को नहीं सिखाया जाता है. इसको लेकर कई देशों में शोध हो रहे हैं. आप तो जानते है कि कोविड काल के दौरान हाथ मिलाना, एक दूसरे को छूना सख्त मना है. मलाणा में यह परम्परा बहुत पहले से है. यहाँ के बुजुर्ग बाहरी लोगों से हाथ मिलाने और उन्हें छूने से भी परहेज करते हैं. अगर आप यहां की दुकान से कुछ सामान खरीदें, तो दुकानदार आपके हाथ में देने के बजाए वही पर रख देगा और साथ ही वो पैसे भी अपने हाथ में लेने के बजाए उसे रख देने को कहता है. आपको जानकर हैरानी होगी कि इस गांव के लोग शादियां भी अपने गांव के भीतर ही करते हैं. अगर कोई गांव से बाहर शादी करता है, तो उसे समाज से बेदखल कर दिया जाता है. यहां की हशीश यानि चरस भी काफी मशहूर है. दरअसल, चरस भांग के पौधे से तैयार किया गया एक मादक पदार्थ है. इसकी सबसे बड़ी खूबी ये है कि मलाणा के लोग इसे हाथों से रगड़ कर तैयार करते हैं और फिर बाहरी लोगों की बेचते हैं. हालांकि, इसका प्रभाव गांव के बच्चों पर भी पड़ा है. बहुत कम उम्र में ही यहां के बच्चे ड्रग बेचने के धंधे में उतर जाते हैं. यही वजह है कि मलाणा में बाहरी लोगों को सिर्फ दिन में ही आने की अनुमति है, क्योंकि यहां के सारे गेस्टहाउस रात में बंद हो जाते हैं यहां के लोगों का मानना है कि जमलू देवता ने ऐसा आदेश दिया है.

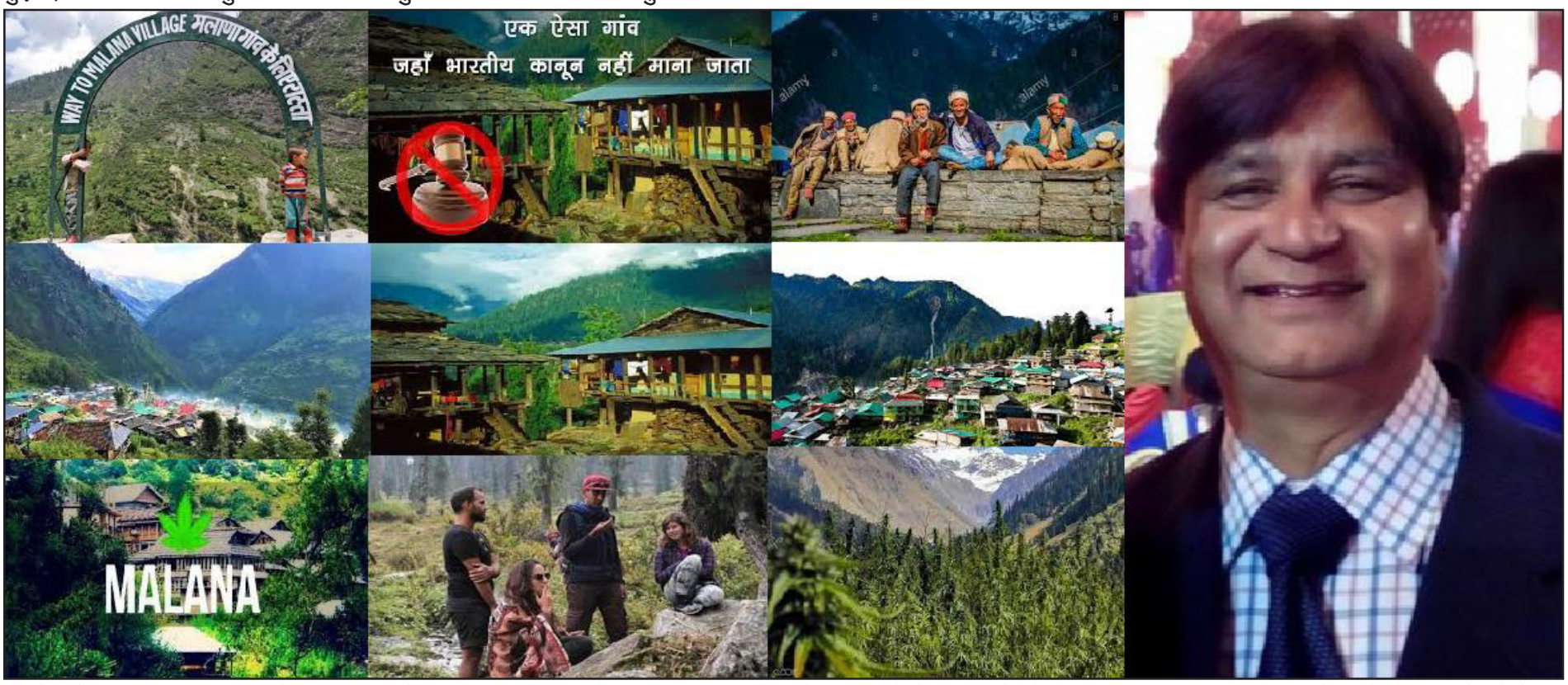

हाथरस पीड़िता को अंधेरे में किस देश के एजेंटों ने जलाया : दानिश

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी के नेता कुंवर दानिश अली ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि हाथरस की घटना के बहाने प्रदेश में दंगा कराने की अंतरराष्ट्रीय साजिश का पर्दाफाश करने वाली सरकार को अब यह भी साफ कर देना चाहिए कि दुष्कर्म पीड़िता को रात के अंधेरे में जलाने वाले किस देश के एजेंट थे। उन्होंने कहा योगीजी, अब जब आपने हाथरस दुष्कर्म कांड के बहाने प्रदेश में दंगा कराने के अंतरराष्ट्रीय षड्यन्त्र का 'पर्दाफाश' कर ही दिया है तो देश को यह भी बता दें कि जिन लोगों ने लड़की को रात के अंधेरे में जलाया वे लोग किस देश के एजेंट हैं? अमरोहा से लोकसभा सांसद अली ने आज ट्वीट कर योगी सरकार से तीखे सवाल पूछे। उन्होंने कहा विदेश मंत्रालय ने ४८ घंटे गुजरने के बाद भी आपके 'पर्दाफाश' का नोटिस क्यों नहीं लिया? आप केंद्र सरकार से माँग करें कि वो ऐसे 'दुश्मन' देशों से अपने राजनयिक संबंध समाप्त करने की तुरंत घोषणा करे क्योंकि जो भी देश हमारे मुल्क में अफरा तफरी फैलाने के लिये फंडिंग करता है उससे हम किसी भी प्रकार का संबंध क्यों रखें?' गौरतलब है कि पुलिस ने हाथरस की घटना की आड़ में सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के प्रयास में १६ मुकदमे दर्ज किये है और इस सिलसिले में पांच लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने योगी सरकार को विपक्ष पर सांप्रदायिक दंगे की साजिश रचने का आरोप लगाने के बजाय हाथरस पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाने में दिलचस्पी लेने की सलाह दी है।

रेहड़ी दुकानों एवं रिक्शाचालकों को मास्क वितरण

आशा वेलफेयर फाउंडेशन की मुहिम का दूसरा चरण

अजंली पांडेय लखनऊ। देश भर में कोरोना से बचाव एवं संक्रमण को रोकने के लिए तरह तरह के उपाय किये जा रहे है। मास्क पहनने से सामने वाले व्यक्ति का संक्रमण हमसे संपर्क में नही आता और हमारा किसी भी तरह का संक्रमण किसी अन्य तक नही जाता। प्रत्येक को मास्क पहनकर ही बाहर निकलना चाहिए। आशा वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से राजधानी में रिक्शे चलाकर जीवन यापन करने वालो को एवं फुटपाथ पर दुकान चलाने वालो को हस्त निर्मित कटन के मास्क वितरित किए गए। यह मास्क धुलकर बार बार पहने जा सकते हैं। इस मास्क की खास बात यह है कि आशा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे निराश्रित महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से ही यह मास्क उन्ही निराश्रित महिलाओं से बनवाए गए हैं । मास्क वितरण मुहिम का यह दूसरा चरण है। आशा वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनी वर्मा,सचिव ज्योति मेहरोत्रा शीबा खान ने खुर्रम नगर चौराहा, टेढ़ी पुलिया चौराहा, पुरनिया चौराहा, विकास नगर चौराहा, कपूरथला चौराहा, महानगर चौराहा, गोल मार्किट चौराहा, रहीम नगर बंधा एवं मीना मार्केट चौराहे पर कॉटन मास्क का वितरण किया। वितरण के दौरान सोनी वर्मा ज्योति मेहरोत्रा एवं शीबा ने ग्लव्स पहन कर एवं हाथो को बार बार सैनिटाइजर से सैनिटाइज करके ही वितरण किया। फाउंडेशन की सचिव ज्योति मेहरोत्रा ने बताया की आगे अभी और भी चौराहों पर यह वितरण धीरे धीरे होता रहेगा। इसी के, साथ यदि कोई मास्क डोनेट करना चाहता हो तो वो ६१४०३८०१५७ पर सम्पर्क कर सकता है। टीम का सदस्य उनकी लोकेशन से मास्क कलेक्ट करके उसे विभिन्न दिवसों में जरूरतमंद तक पहुचाया जाएगा।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से जुड़े चार लोग गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और इसके एक सहयोगी संगठन से जुड़े हैं। चारों को सोमवार रात मथुरा से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे दिल्ली से हाथरस जा रहे थे। पुलिस

ने कहा कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कि कुछ संदिग्ध ा दिल्ली से हाथरस जाने के रास्ते में हैं, उन्होंने एक टोल प्लाजा पर एक कार को रोका। चारों से पूछताछ की गई और माथ टोल प्लाजा पर हिरासत में ले लिया गया। इन चारों की पहचान मुजफ्फरनगर के अतीक–उर रहमान, मलप्पुरम के सिद्दीक, बहराइच के मसूद अहमद और रामपुर के आलम के रूप में हुई है। इनके पास से मोबाइल फोन, लैपटॉप और कुछ साहित्य, जो शांति और व्यवस्था पर प्रभाव डाल सकते थे, उन्हें जब्त कर लिया गया। पुलिस ने पूछताछ के दौरान कहा कि यह पता चला है कि चारों का संबंध पपुलर फ्रंट अफ इंडिया (पीएफआई) और उसके सहयोगी संगठन कैंपस फ्रंट अफ इंडिया (सीएफआई) से है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आगे की पूछताछ जारी है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने पहले संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार ने नागरिक कानूनों के खिलाफ राज्य में हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए पीएफआई को दोषी ठहराया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'हाल की घटनाओं' का उल्लेख कर कहा कि अराजकतावादी तत्व हाथरस की घटना के बाद राज्य में सांप्रदायिक और जातिगत हिंसा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं।

सलमान खान की फिल्म 'राधे' की शूटिंग हुई शुरू

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' की शूटिंग फिर शुरू कर दी गयी है। सलमान खान मार्च में लॉकडाउन की घोषणा के पहले प्रभु देवा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' की शूटिंग कर रहे थे, जो कोरोना काल के दौरान बंद हो गयी थी। सलमान ने फिल्म की शूटिंग फिर शुरू कर दी है। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट की तस्वीर साझा की, जिसमें वह काली

जैकेट पहने हुए कैमरे से मुंह फेरकर खड़े हैं उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, साढ़े छह महीने बाद शूटिंग पर लौट आया हूं। गौरतलब है कि फिल्म में सलमान खान के साथ दिशा पाटनी नजर आएंगी, जो फिल्म 'भारत' में भी उनके साथ काम कर चुकी हैं।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया कोरोना पॉजिटिव

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक तमन्ना शूटिंग के सिलसिले में हैदराबाद में थी, तभी उसमें कोरोना संक्रमण के लक्षण दिखाई दिये थे। उसे हैदराबाद में ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हाल ही में उसने कुछ दवाएं ली थी और विशेषज्ञों के एक समूह ने उनका उपचार किया था। इससे पहले अगस्त में तमन्ना ने अपने अभिभावकों के कोरोना संक्रमित होने के बाद अपनी भी जांच करवायी थी, हालांकि उस दौरान उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आयी थी। तमन्ना के

कोरोना पॉजिटिव होने की रिपोर्ट के बाद उनके प्रशंसक और शुभचिंतक हतप्रभ हैं और सभी ने ट्विटर पर गेट वेल सून के संदेश पोस्ट किये हैं। तमन्ना ने हिम्मतवाला, हमशक्ल, बाहुबली : द बिगिनिंग और बाहुबलीः दी कन्कलूशन जैसी फिल्में की है। उनकी आने वाली फिल्मों में तेलुगु फिल्म'सीटीमार' और हिन्दी फिल्म 'बोले चूडियां' शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक्सपोर्ट हब की स्थापना होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक्सपोर्ट हब की स्थापना की जाएगी। इसके लिए सभी जिले में उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र में निर्यात विकास केन्द्रों के गठन का कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके माध्यम से स्थानीय शिल्पियों और कारीगरों के प्रशिक्षण में सुविधा मिलेगी। ई मार्केट प्लेस और उत्पादों की बिक्री आदि की सुविधा भी उपलब्ध करायी जाएगी। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने बताया कि सभी केन्द्रों पर हाईस्पीड वाली इंटरनेट सुविधा होगी। कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर आदि की भी व्यवस्था होगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की मंसा के अनुरूप प्रत्येक जिले को एक्सपोर्ट हब

बनाने के विजन को लागू करने की दिशा में जिलास्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति के साथ जिला निर्यात योजना की रूपरेखा तैयार की जा रही है। निर्यात विकास केन्द्र वैश्विक स्तर और स्थानीय ई मार्केट प्लेस कंपनियों, विदेश व्यापार और इंडिया पोस्टल विभाग के सहयोग से कार्य करेंगे। ई–कामर्स कंपनी ई–वे और आमेजन से एमओयू हो चुका है। सहगल ने बताया कि उत्पादों को ई मार्केट प्लेस पर लाने के लिए ई कामर्स कंपनियों से केन्द्र संपर्क करेंगे। इसके लिए लेबलिंग, पैकेजिंग, इन्व्याइसिंग, जीएसटी और लजिस्टिक संबंधी मदद दी जाएगी। उद्यामियों के लिए अन्तरराष्ट्रीय व्यापार संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। नालेज पार्टनर के रूप में विशेषज्ञ संस्था फेडरेशन आफ इंडिया एक्सपोर्ट आर्गनाईजेशन (फियो) से सहयोग लिया जाएगा।

अवैध तमंचे के साथ एक युवक गिरफ्तार

राकेश पाण्डेय ''निश्छल''

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार जामा तलाशी के दौरान युवक के पास

से एक अवैध तमंचा २ जिंदा कारतूस पुलिस ने किया बरामद युवक के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए पुलिस ने युवक को जेल भेज दिया प्राप्त जानकारी के मुताबिक उप निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह मय पुलिस बल के साथ बेलहनी मोड़ पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे तभी एक संदिग्ध ा व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया जो पुलिस को देखकर मुड़ कर भागने का प्रयास करने लगा शक होने पर पुलिस ने दौड़ाकर उसे मौके पर ही दबोच लिया जामा तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा व दो अदद जिंदा कारतूस पुलिस ने किया बरामद नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम रामकुमार पुत्र कल्लू उर्फ मोहले निवासी ग्राम पल्टीहा मजरा गौरा थाना मोहनलालगंज जनपद लखनऊ बताया पुलिस युवक को गिरफ्तार कर मोहनलालगंज कोतवाली लेकर आई युवक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया।

बॉबी देओल ने बॉलीवुड में पूरे किये २५ साल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल ने हिंदी सिनेमा इंडस्ट्री में २५ साल पूरे कर लिये हैं। बॉबी देओल ने बतौर अभिनेता

अपने सिने करियर की शुरुआत वर्ष १९९५ में प्रदर्शित फिल्म 'बरसात' से की थी। बॉलीवुड में अपने २५ साल पूरे होने पर बॉबी ने सोशल मीडिया पर लिखा, "मुझे फिल्मों में २५ साल पूरे हो चुके हैं। यह जर्नी अक्टूबर १९९५ से शुरू हुई थी। यह काफी जबरदस्त और भावनात्मक है। मैं गर्व से कहता हूं कि मैंने अपनी जिंदगी में काफी उतार–चढ़ाव देखे हैं। बॉबी देओल ने लिखा, "इन २५ सालों ने मुझे जो एक चीज सिखाई है, वह कभी हार ना मानना है। हमेशा उठो और आगे बढ़ो। फिल्मों में अपने सहकर्मियों के साथ एक और २५ साल का इंतजार करने के लिए आपके सभी प्यार और समर्थन के योग्य होने का वादा करता हूं। अपनी आखिरी सांस तक आपका मनोरंजन करता रहूंगा और मैं वादा करता हूं कि आपका तब तक मनोरंजन करता रहूंगा, जब तक मेरे आखिरी क्रेडिट रोल आउट ना हो जाएं।"

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178
Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक